यूपी के 30 पर्यटक आवास गृह लीज पर देगी सरकार

योजना

राज्य मुख्यालय | शिखा श्रीवास्तव

पर्यटन विभाग 30 पर्यटक आवास गृहों को लीज पर देने जा रहा है। इसमें मथुरा, आगरा, सिद्धार्थनगर, मिर्जापुर के आवास गृह भी शामिल हैं। इससे पहले विभाग छह आवास गृहों को लीज पर दे चुका है।

अभी विभाग इन आवास गृहों की कीमत आंकने के लिए मूल्यांकन करवा रहा है। साथ ही इसमें दिलचस्पी लेने वाले लोगों के साथ एक बैठक कर उनसे सलाह भी ली गई है। जब इन आवास गृहों की कीमत तय हो जाएगी तब एक बार फिर निवेशकर्ताओं से सलाह ली जाएगी और कैबिनेट में प्रस्ताव भेजा जाएगा। हर आवास गृह की न्यूनतम कीमत सरकार तय करेगी और सर्वोच्च बोली लगाने वाले निवेशक को ही लीज पर दिया जाएगा। यह लीज 30 साल की होगी और इसके बाद संतोषजनक होने पर इसे बढ़ाया जा सकेगा। लीज पर लेने के बाद विकासकर्ता इसे अपने मुताबिक बनवा सकेगा।

30 साल की होगी लीज, बाद में बढ़ोतरी संभव

06 पर्यटक आवास गृहों को लीज पर दिया जा चुका है

इससे पहले भी लीज पर देने के लिए हो चुका है प्रयास: इससे पहले सपा सरकार में भी 37 पर्यटक आवास गृहों को लीज पर देने के लिए टेण्डर निकाला गया था लेकिन लोगों ने इसमें ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। उस समय छह आवास गृह लीज पर दिए गए जिसमें दुधवा का टाइगर डेन, देवरिया, रामगढ़ ताल-गोरखपुर, मथुरा व महोबा के आवास गृह शामिल थे। दुधवा में टाइगर डेन अच्छा व्यावसाय कर रहा है वहीं रामगढ़ ताल में डेवलपर वहां मैरिएट होटल बना रहा है। विभाग ने इसे 79 लाख रुपए की लीज पर दिया था जिसमें हर वर्ष पांच फीसदी की बढ़ोत्तरी होगी और पांच साल बाद इसके मुनाफे में विभाग का हिस्सा होगा।

सरकार को होगा फायदा

ये पर्यटक आवास गृह बंद पड़े हैं। चूंकि सरकारी सम्पत्तियां हैं इसलिए यहां जमीन काफी ज्यादा है। निजी निवेशकर्ता यहां अपना होटल या रिजॉर्ट बना कर चला सकते हैं। सरकार उनसे एकमुश्त रकम लेगी। इसके लिए पर्यटक आवास गृहों के आकार के मुताबिक लीज के लिए कीमत तय की जाएगी। मसलन- रामगढ़ ताल गोरखपुर का आवास गृह 79 लाख रुपए सालाना लीज पर दिया गया था। इसमें हर वर्ष पांच फीसदी की बढ़ोत्तरी होगी।